

**SHRI M. RAM GOPAL REDDY:** By sea erosion, India is becoming smaller and smaller as it is eating away the land. When Mr. Y. B. Chavan was the Chief Minister of Bombay province, he tackled this sea erosion problem and saved Bombay city. I want to know whether a similar type of action will be taken by this Government in consultation with the Maharashtra Government.

**SHRI SURJIT SINGH BARNALA:** This is a suggestion for action.

**Prices for Agricultural Products recommended by National Commission on Agriculture**

\*311. **SHRIMATI MRINAL GORE:** Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether the National Commission on Agriculture has recommended prices for the agricultural products such as wheat, rice and jawar;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether there has been any opposition from the agriculturists?

**THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA):** (a) to (c). The National Commission on Agriculture was appointed to examine comprehensively the current progress of agriculture in India and to make recommendations for its improvement and modernisation with a view to promoting the welfare and prosperity of the people. The recommendations made by the National Commission on Agriculture relate to general policy and the principles that may be followed in formulation of policies in a time perspective of 25 years upto the turn of the century.

The Commission was neither expected to, nor they have recommended any prices for various agricultural products. Prices for various agricultural

products are recommended by the Agricultural Prices Commission on a year to year basis.

**श्रीमती मृगाल गौरे :** ग्रन्थक महोदय, थोड़ी गलती हो गई है, मैंने एग्रीकल्चरल प्राइस कमिशन के बारे में प्रश्न किया था।

मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूँ कि एग्रीकल्चरल प्राइस कमिशन ने इस साल के लिये प्राइसेस तय करने के बारे में क्या कोई फैसला लिया है ?

**श्री सुरजीत सिंह बरनाला :** प्रश्न में गलती रह गई कोई बात नहीं, मैं आपका जवाब दिये देता हूँ।

यह जो धान की नई फसल आ रही है, उसकी प्राइस अभी तय नहीं हुई है, होने वाली है। पीछे जब गेहूँ की फसल आई थी, तो उस से पहले गेहूँ की प्राइस एनाउन्स कर दी गई थी।

**श्रीमती मृगाल गौरे :** हमेशा ही, हर साल के लिये जो प्राइस फिक्स होनी चाहिये वह समय पर नहीं होती है। जिन चीजों, धान धनाज के लिए हम चाहते हैं कि प्रोडक्शन बढ़ जाये, उनकी वाजिब प्राइस फिक्स होनी चाहिये, लेकिन यह फिक्स नहीं होती है, इस को लेकर किसानों में असन्तोष रहता है, क्या, इस बात की मंत्री महोदय को जानकारी है ?

मैं यह भी जानना चाहती हूँ कि जो इस में लिखा है, उस के साथ साथ और दूसरी प्लेज और सीडज के बारे में एग्रीकल्चरल प्राइस कमिशन ने क्या कार्यवाही की है ?

**श्री सुरजीत सिंह बरनाला :** कुछ प्लिसज की प्राइसिज इस दफा मुकर्रर की गई है। जैसे, मूंग की प्राइस मुकर्रर की गई है ...

श्रीमती सुबाल गोरे : जिन चीजों की प्राइसिज क्रिक्स को गई है, उन की प्राइसिज बता दें ।

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : माननीय सदस्य ने वह सबाल पूछा नहीं था। अगर उन्होंने यह पूछा होता, तो मैं यह सब इनफार्मेशन ले आता ।

श्रीमती सुबाल गोरे : गेहूँ के बारे में बतायें ।

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : गेहूँ की प्राइस 112.50 रुपये क्रिक्स हुई थी ।

MR. SPEAKER: The question is: have you fixed prices for other cereals?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: That was not the question; otherwise, I would have found out. The question was wrongly put.... (Interruptions).

श्रीमती सुबाल गोरे : मैंने पूछा था कि क्या राइस और ज्वार की प्राइसिज क्रिक्स हुई हैं। मंत्री महोदय बताते क्यों नहीं ?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: As the hon. Member had already admitted, the question was basically put in a wrong manner. The question was with regard to National Commission on Agriculture. That is why that information was not supplied. I do not have all these details. Rice prices were fixed last year, last time; wheat prices were fixed last time; the prices of some cereals were also fixed last time.

श्रीमती सुबाल गोरे : अगर मंत्री महोदय के पास इस वक़्त यह इनफार्मेशन नहीं है, तो वह बाद में टेबल पर रख दें ।

MR. SPEAKER: That, he will give you.

श्री चन्वन सिंह : मैं आप के द्वारा मंत्री महोदय से यह जानकारी चाहता हूँ कि काश्तकार जब बुवाई करता है, क्या आईवा वह उस से पहले मूल्य बताने की कृपा किया करेंगे, जैसे, भाव हम चावल की बुवाई करते हैं, तो उस से पहले हमें बता दिया जाये कि यह भाव होगा और इसी तरह गेहूँ की बुवाई से पहले बता दिया जाये कि उसका मूल्य क्या होगा, ताकि अगर काश्तकार को लाभ का मूल्य ज्ञानेगा, तो वह बोयेगा, नहीं तो वह कोई दूसरी चीज़ बोयेगा ।

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : बुवाई से पहले तो हम यह नहीं कर सकते, लेकिन हमारी कोशिश रहती है कि जितनी जल्दी हो सके, प्राइसिज तय कर दी जायें ।

SHRI K. GOPAL: I wish the hon. Minister has gone into the spirit of the question instead of going into technicalities. Even the hon. lady member said that what she meant was Agricultural Price Commission and not National Commission on Agriculture. Can I put him a straight question. Will the hon. Minister tell us whether the rank discrimination between the subsidy that you pay for wheat and the subsidy that you pay for paddy, will be removed? If I remember right, the subsidy that is paid to wheat is Rs. 29 whereas you are paying only four paise for rice. This is rank discrimination towards the southern states. Will the hon. Minister tell us how much time he will take to take a decision to see that rice subsidy is at par with wheat subsidy?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: That question does not arise.

SHRI K. GOPAL: How can he say? You can say. (Interruptions)

MR. SPEAKER: I had no objection for his answering; it does not arise out of this question.

**SHRI K. GOPAL:** You can say that, not he.... (Interruptions)

**MR. SPEAKER:** The Minister can say that he wants notice because the question put by you does not arise from Q. No. 311.

**MR. SPEAKER:** Do not record, (Interruptions)\*\*

**SHRI KRISHAN KANT:** May I know from the hon. Minister what is the basis of calculation and how is the price fixed on the basis of inputs and what return do you give to the agriculturists in relation to the agricultural prices and industrial prices?

**SHRI SURJIT SINGH BARNALA:** The National Commission on Agriculture has mentioned that agricultural price policy should be kept in view in its impact on the general price situation and the economy as a whole. It should be in consonance with the country's overall economic policy and should facilitate growth with stability. The major aim of the agriculture price policy should be to correct distortions which are generally socially or economically harmful and which emerge from time to time because of the imperfections of the market mechanism. Being parts of the same policy the interests of the producer should be safeguarded through the price support operations when there is a shortfall in the prices and the interests of the consumer particularly the vulnerable sections of the population should be protected through the procurement and distribution systems and the part of the marketable surplus at below the market price when there is sharp rise in prices of basic necessities such as cereals. All these things are taken into consideration. So the consumers interest as well as producers interest is taken into consideration and the market prices are fixed.

\*\*Not recorded.

**MR. SPEAKER:** Q. No. 313

(Interruptions)

ज्योतिष और तन्त्र विद्या का विकास

\* 313. श्री मोघा लाल पटेल : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ज्योतिष और तन्त्र विद्या को प्रोत्साहन देती है और यदि हाँ, तो किस सीमा तक ;

(ख) क्या उनके विकास के लिए सरकार द्वारा कोई योजना बनाई जा रही है ; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ज्योतिष क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका देवी बरकटकी) : (क) से (ग). सरकार द्वारा ज्योतिष के विकास के लिए वैश्व तो कोई विशिष्ट योजनाएं तैयार नहीं की गई हैं, क्योंकि यह केवल प्राचीन विद्या के अन्तर्गत लिए जाने वाले विषयों में से एक है, तथापि, ज्योतिष (फलित और सिद्धान्त), राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान और वाराणसी तथा दरभंगा के संस्कृत विश्व-विद्यालयों द्वारा संचालित शास्त्री, प्राचार्य और अन्य कक्षाओं/ पाठ्यक्रम में अध्ययन के विषय हैं ।

सरकार के पास तंत्र विद्या को प्रोत्साहन देने के लिए कोई योजना नहीं है, क्योंकि यह अध्ययन का एक नियमित विषय नहीं है ।